२०. सिंह रूपनाद श्री हरि...

सिंह रूपनाद श्री हरि भोनाम गिरीशनॆ
ऒम्मन दिंदलि निम्मनु भजिपर सम्मत दिंदलि काय्व नम्म हरि

तरळनु करॆयॆ स्तंभवु बिरियॆ तुंब उग्रव तोरिदनु
करळनु बगॆदु तन्न कॊरळॊळगिट्टु तरळन सलहिद श्री नरसिंहनॆ------१

भक्त रॆल्लरु बहुदूर ओडि परम शांतवनु बेडिदरु
तरळन तन्न तॊडॆयॊळु कुळिसि परम हरुषवनु पॊंदिद श्री हरि----------२

जय जय वॆंदु हूवनु तंदु हरि हरि ऎंदु सुररॆल्ल सुरिसॆ
भय निवारण भाग्य स्वरूपनॆ परम पुरुष श्री पुरंदर विठलनॆ------------३